प्रेस विज्ञप्ति

रणदीप सिंह सुरजेवाला, विधायक, कैथल ने निम्नलिखित बयान जारी किया :–

'भाजपा सरकार ने हरियाणा के हित नीलाम किए – सुरजेवाला'

'हरियाणा के स्थान पर गुजरात में जापानी निवेश जाने के लिए भाजपा जिम्मेदार'

चंडीगढ़, 15 सितंबर, 2017 : वरिष्ठ कांग्रेस नेता व हरियाणा के पूर्व उद्योगमंत्री, श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला ने जापानी कंपनियों द्वारा हरियाणा के निवेश को छीनकर गुजरात में ले जाने और हरियाणा को एक भी जापानी इंडस्ट्रियल टाउनशिप न मिलने को राज्य की भाजपा सरकार द्वारा प्रदेश के हितों की नीलामी की संज्ञा दी है।

आज यहां जारी प्रेस बयान में श्री सुरजेवाला ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार प्रदेश की जनता के हितों की सुरक्षा करने में पूरी तरह विफल और निकम्मी साबित हुई है, जिसके चलते जापानी कंपनियों द्वारा 10,000 करोड़ रु. का निवेश गुजरात में किया जा चुका है और लगभग 5000 करोड़ रु. का निवेश गुजरात में किए जाने की घोषणा की गई है। उन्होंने कहा कि सुजुकी ने 3800 करोड़ रु. और सुजुकी की सहयोग कंपनियों, तोशिबा और डेंसो ने 1150 करोड़ रु. का निवेश गुजरात में करने की घोषणा की है, जबकि गुजरात में ही 9600 करोड़ रु. का जापानी निवेश किए जाने की घोषणा पहले ही कर दी गई थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस कार्यकाल में गुड़गांव में मारुति की स्थापना हुई थी, जिससे पूरे दक्षिण हरियाणा में विकास की नई संभावनाओं का रास्ता खुला। मारुति के बाद गुड़गांव, मानेसर, धारुहेड़ा, रेवाड़ी में अनेक उद्योग स्थापित हुए और प्रदेश के लाखों प्रतिभावान व मेहनती युवाओं को रोजगार मिला। यदि सुजुकी व अन्य जापानी कंपनियां सारा नया निवेश गुजरात व अन्य प्रदेशों में करेंगी, तो प्रदेश को भारी नुकसान होगा और इसकी सारी जिम्मेदारी भाजपा के अक्षम और कमज़ोर नेतृत्व की है। प्रदेश की जनता भाजपा को इसके लिए कभी माफ नहीं करेगी।

श्री सुरजेवाला ने कहा कि भाजपा सरकार आने से पहले हरियाणा जापानी कंपनियों की पहली पसंद थी, जिसके चलते देश में कुल जापानी निवेश का 80 प्रतिशत निवेश केवल हरियाणा प्रदेश में था। लेकिन वर्तमान भाजपा सरकार के कार्यकाल में जहां एक ओर कानून व्यवस्था की स्थिति बिल्कुल खराब हुई है, वहीं चल रहे कुशासन से कोई भी बड़ी कंपनी प्रदेश में निवेश नहीं कर रही। जो कंपनियां पहले से प्रदेश में काम कर रही थीं, वो भी अब गुजरात और अन्य प्रदेशों में जा रही हैं।

श्री सुरजेवाला ने कहा कि गुरुवार को जापान व भारत सरकार ने देश में चार राज्यों में इंडस्ट्रियल टाउनशिप (औद्योगिक नगरियां) स्थापित करने का समझौता किया, लेकिन प्रदेश सरकार की अकमर्ण्यता के चलते हरियाणा को एक भी इंडस्ट्रियल टाउनशिप नहीं मिली और ये टाउनशिप गुजरात, राजस्थान, आंध्रप्रदेश और तमिलनाडु में चली गईं। उन्होंने कहा

कि यह हरियाणा की भाजपा सरकार की बहुत बड़ी असफलता है, जिसका नुकसान प्रदेश की जनता व खासतौर पर युवाओं को लंबे समय तक झेलना पड़ेगा। इन टाउनशिपों के दूसरे प्रदेशों में चले जाने से हरियाणा में कोई नया जापानी निवेश होने में बहुत बड़ी बाधा आएगी। उन्होंने प्रश्न किया कि मुख्यमंत्री, श्री खट्टर ने जापान का दौरा किया था, लेकिन प्रदेश को क्या हासिल हुआ?

उन्होंने कहा कि इस घटनाक्रम का प्रदेश के निवेश पर सीधा प्रतिकूल असर पड़ेगा और प्रदेश के युवाओं को मिलने वाले रोजगार तथा प्रदेश सरकार को मिलने वाले टैक्स में भारी कमी होगी। स्वाभाविक है कि इसका असर आम जनता पर भी टैक्सों के रूप में पड़ेगा।